मालवीयजी भारतीय संस्कृति के प्रतीक

(निज संवाददाता द्वारा)

फतेहपुर, ३१ दिसम्बर। २७ दिसम्बर को मालवीय नेत्र चिकित्सालय के प्रांगण में इस क्षेत्र के लोकसभा के उम्मीदवार डा० वी० वी० केसकर की उपस्थिति में श्री मालवीय जन्मशती समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नगर के प्रतिष्ठित एवं सरकारी अधिकारी भी उपस्थित थे। जिलापरिषद के अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद गुप्त एवं अन्य वक्ताओं ने महामना मालवीय की लोक-सेवाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि मालवीय जी भारतीय संस्कृति के प्रतीक थे। गत स्वतंत्रता-संग्राम में इनका काफी योग था। हिन्दू विश्वविद्यालय जैसी अमर राष्ट्रीय संस्था इन्हीं के अथक परिश्रम का परिणाम है। आज का भारत इन पर इसीलिए गर्व करता है कि अब भी यह प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। यह निधि भारत के गौरव को सदैव ऊंचा उठाये रखेगी।

राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत National Archives of India

ठहरने तथा कम्बल इत्यादि का प्रबन्ध भी मालवीय जी ने करा दिया था। इसी कांग्रेस में यह भी निश्चित हो गया था कि अगले अधिवेशन में भी किसान प्रतिनिधियों से फीस नहीं ली जायगी। अगला अधिवेशन अमृतसर में पं० मोतीलाल जी नेहरू के सभापतित्व में हुआ था।

३१ जनवरी, १९१९ को प्रयाग ही में माघमेले के अवसर पर किसान सभा का द्वितीय महाधिवेशन हुआ और अमृतसर कांग्रेस में भी किसानों के १८०० प्रतिनिधि पहुंचे, १००० उत्तरप्रदेश से और ८०० अन्य प्रदेशों से।

चूंकि किसान-प्रतिनिधियों से फीस नहीं ली जाने वाली थी, अतः दूसरे दिन स्वागत-समिति के अध्यक्ष

राष्ट्रीय अभिलेखागार
National Archives of India